मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय

समाचार

लंबित विधेयकों के संबंध मे संविधान मौन

– श्री ईश्वर दास रोहाणी

भोपाल। दिनांक 22 सितम्बर 2011

विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी ने कहा है कि राज्य विधानमंडलों द्वारा पारित एवं राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल के पास लंबित विधेयकों पर हस्ताक्षर संबंधी स्थिति के संबंध मे संविधान मौन है जहां संविधान मौन हो वहाँ पीठासीन अधिकारियों को ही संवाद की स्थिति बनानी चाहिए। वे जयपुर मे आयोजित दो दिवसीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। 21 सितम्बर से आयोजित इस दो दिवसीय आयोजन का आज समापन हो गया।

विधानसभा अध्यक्ष श्री रोहाणी ने विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन मे राज्य विधान मण्डल द्वारा विधेयकों पर अनुमति प्रदान किये जाने हेतु समयावधि का निर्धारण विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि समस्या अब सामने आ चुकी है। उन्होने कहा कि संविधान इस बात का समय तो तय करता है कि कब तक उनको कर देना चहिए लेकिन संविधान इस मामले मे मौन है कि कितनी अवधि के बाद उनको वापस कर देना चाहिए। उन्होने बताया कि ऐसी स्थिति मे जहां संविधान मौन हो वहाँ पीठासीन अधिकारियों को संवाद की स्थिति बनानी चाहिए।

श्री रोहाणी ने कहा कि यह जो स्थिति है यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत दुखदायी है उन्होने बताया कि जहां हम इस बात पर गर्व करते है कि भारत का लोकतंत्र रक्तविहीन क्रांति के समान है वहां विधानसभाओं और लोकसभा द्वारा पारित विधेयकों को लंबित रखना हमारे इस गर्व को खंडित करता है। श्री रोहाणी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष पीठासीन अधिकारियों की नेता है वे इस मामले मे नेतृत्व करे और राष्ट्रपति महोदया को लंबित विधेयकों की सूची सौंपकर उनसे अनुरोध करें तभी समस्या का सौहार्दपूर्ण वातावरण मे निराकरण हो सकेगा।

लोकसेवकों को पूरी जिम्मेदारी दें–सम्मेलन मे आज एक अन्य विषय सुशासन स्वरूप एवं विधिक स्थिति विषय पर संबोधित करते हुए श्री रोहाणी ने कहा कि देश का विकास, सरकार की सफलता, अच्छे प्रशासन के साथ–साथ सुशासन पर भी निर्भर करता है। इन्होने कहा कि लोकसेवकों को पूरी जिम्मेदारी देना चाहिए। उन्होने कहा कि सांसदों विधायकों की विकास कार्य के लिए दी जाने वाली धनराशि का भी मूल्यांकन होना चाहिए।

जयपुर मे आयोजित 21 एवं 22 सितम्बर को आयोजित इस सम्मेलन मे विधानसभा उपाध्यक्ष श्री हरवंशसिंह ने गठबंधन सरकार बाध्यतायें एवं चुनौतियाँ विषय पर अपने विचार रखे। सम्मेलन मे देश की विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारी उपस्थित थे।

D Dubey
दीपक दुबे
सूचना अधिकारी